खाद्यान (चांवल) आबंटन को समझने हेतु सारणी

- मात्रा किलोग्राम में लिया गया है ।
- खपत को पूर्णांक में लिया गया है ।
- उदाहरण को समझने के प्श्चात इसके बाद वाली स्लाइड में दिये निर्देश को प्रविष्टि के पूर्व अवश्य पढ़ ले ।
- सरणी को एनीमेशन मोड में लाने के पश्चात आगे के खण्ड में प्रविष्टि हेतू आपको माउस को क्लिक करते जाना है ।
- इस उदाहरण में प्राथमिक शाला में दर्ज संख्या 215 तथा अपर प्राथमिक में 135 लिया गया है ।
- खपत को एक सामान्य शाला में उपस्थित छात्र संख्या के आधार पर लिया गया है ।

साफ्टवेयर में चांवल आबंटन प्राथमिक शाला के लिये

Ikkfof"V ekg	लाभांवित माह	लाभांवित माह से दो माह पूर्व का 'k"k	लाभांवित माह के लिये प्राप्त आबंटन	लाभांवित माह के लिये उपलब्ध कुल खाद्यान	लाभांवित माह में पूर्व माह में कुल लाभांवित छात्र संख्या	लाभांवित माह में खपत	ykHkkfor ekg d vr e 'k"k	'kkyk e nt Nk=k dh l[;k	vkxkeh ekg e 'kkyk yxu के दिनों की अनुमानित संख्या	आगामी माह में आवष्यकता (C9xC10) x0.1 Kg	आगामी माह के लिये आबंटन 11-8
1	2	3	4	5 (4+3)	6	7	8	9	10	11	12
जुलाई	जून	45	500	545	4800	480	65	215	25	538	473
अगस्त	जुलाई	38	490	528	5050	505	23	215	26	559	536
सितम्बर	अगस्त	65	473	538	4900	490	48	215	23	495	447
अक्टूबर	सितम्बर	23	536	559	5120	512	47	215	24	516	469
नवम्बर	अक्टूबर	48	447	495	4550	455	40	215	12	258	218
दिसम्बर	नवम्बर	47	469	516	4950	495	21	215	25	538	517
जनवरी	दिसम्बर	40	218	258	3000	300	-42	215	23	495	537
फरवरी	जनवरी	21	517	538	4970	497	31	215	24	516	485

साफ्टवेयर में चांवल आबंटन अपर प्राथमिक शाला के लिये

Ikfof"V ekg	लाभांवित माह	लाभांवित माह से दो माह पूर्व का 'k"k	लाभांवित माह के लिये प्राप्त आबंटन	लाभांवित माह के लिये उपलब्ध कुल खाद्यान	लाभांवित माह में पूरे माह में कुल लाभांवित छात्र संख्या	लाभांवित माह में खपत	ykHkkfor ekg d vr e 'k"k	'kkyk e nt Nk=k dh la[;k	vkxkeh ekg e 'kkyk yxu के दिनों की अनुमानित संख्या	आगामी माह में आवष्यकता (C9xC10) x0.15 Kg	आगामी माह के लिये आबंटन 11-8
1	2	3	4	5 (4+3)	6	7	8	9	10	11	12
जुलाई	जून	45	500	545	3180	477	68	135	25	507	439
अगस्त	जुलाई	15	425	440	2783	418	22	135	26	527	505
सितम्बर	अगस्त	68	439	507	3275	492	15	135	23	466	451
अक्टूबर	सितम्बर	22	505	527	3302	496	31	135	24	486	455
नवम्बर	अक्टूबर	15	451	466	2806	421	45	135	12	243	198
दिसम्बर	नवम्बर	31	455	486	3120	468	12	135	25	507	495
जनवरी	दिसम्बर	45	198	243	1584	238	5	135	23	466	561
फरवरी	जनवरी	12	495	507	3275	491	16	135	24	486	470

- जनवरी माह में प्रविष्टि के पूर्व इसे ध्यान से पढ़ ले

- यदि शालाओं से प्राप्त प्रप़त्र में लाभांवित माह से दो माह पूर्व के शेष के स्थान पर ठीक पूर्व माह को शेष लिखकर भेजा गया है तो उसे दो प्रकार से सुधारा जा सकता है –
  - आाटो में साफ्टवेयर में जो शेष आ रहा है उसे ओके कर दे अथवा
  - जो शाला से प्राप्त प्रपत्र में दिया है उसे साफ्टवेयर में आ रहे शेष के स्थान पर एडिट (सुधार) कर प्रविष्ट करा दे , लेकिन ऐसी स्थिति में आगामी माह फरवरी में प्रविष्टि के समय लाभांवित माह से दो माह पूर्व के शेष के स्थान पर शून्य प्रविष्ट कराना होगा। [**उदा प्राथमिक शाला के सारणी में देखे यदि प्रविष्ठि माह दिसम्बर में, लाभांवित माह नवम्बर की प्रविष्ठि के समय सितम्बर के अंत e ‘k”k के स्थान पर अक्टूबर के अंत में ‘k”k की प्रविष्ठि करता है तो वह 47 किग्रा के स्थान पर (47+40=87) किग्रा प्रविष्ठि करेगा जिससे उस ‘kkyk को जनवरी के लिये 517 किलो चांवल के स्थान पर केवल 477 किलो चावल आबंटित होगा ।अब यदि प्रविष्ठि माह जनवरी में, लाभांवित माह दिसम्बर की प्रविष्ठि के समय अक्टूबर के अंत में ’k”k मे पुनः 40 किलो चांवल ’k”k प्रविष्ट करता है तो उस 40किलों चावल के विरुद्ध आबंटन फिर से कम हो जायेगा। इसीलिये ऐसी स्थिति में उसे 40 के स्थान पर ‘kून्य लिखना होगा ।**] इस विकल्प का उपयोग केवल फरवरी तक ही हो सकेगा , इसके पश्चात लाभांवित माह से दो माह पूर्व के शेष के स्थान पर एडिट की सुविधा नही दी जायेगी ।
  - इसके पश्चात भी यदि आबंटन शाला के लिये पर्याप्त न हो तो आगामी माह में शाला लगने के दिनों की संख्या में वृद्धि कर आबंटन दे , भले ही दिनों की संख्या 30 से अधिक क्यों न हो जायें। इस संख्या का माह में लाभांवित दिनों की संख्या से कोई संबंध नही है ।यह सुविधा भी केवल आगामी माह तक के लिये उपलब्ध होगा ।